सीतारमण ने छोटे व्यवसायों को दी राहत की उम्मीद

पीएम ने दिवाली उपहार सुधारों का संकेत दिया

एमएसएमई और स्टार्टअप्स को मिलेगा प्रोत्साहन

चेन्नई, 2 सितंबर. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों से भारतीय अर्थव्यवस्था पूरी तरह से खुली और पारदर्शी हो जाएगी. उन्होंने कहा कि ये सुधार छोटे व्यवसायों के लिए अनुपालन का बोझ कम करेंगे और उनके विकास को बढ़ावा देंगे.

तमिलनाडु में सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह में बोलते हुए, जहाँ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि थीं, सीतारमण ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए एक कार्यबल के गठन की घोषणा की है. इस कार्यबल का उद्देश्य नियमों को सरल बनाना और स्टार्टअप्स व सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए अनुकूल माहौल बनाना है.

सीतारमण ने कहा कि इन सुधारों से आने वाले महीनों में अर्थव्यवस्था के लिए एक नई राह खुलेगी, जिससे छोटे व्यवसायों को फलने-फूलने का मौका मिलेगा. उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री के दिवाली उपहार के वादे के साथ जीएसटी में बड़े सुधारों की योजना है.

वित्त मंत्री ने बैंकों से विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आह्वान किया. उन्होंने बैंकों से बुनियादी ढांचे के विकास को गति देने और एमएसएमई को समय पर वित्तपोषण सुनिश्चित करने का आग्रह किया.

> अपने संबोधन में, उन्होंने देश की वित्तीय प्रगति पर भी प्रकाश डाला. उन्होंने बताया कि पिछले 11 वर्षों में 56 करोड़ जन-धन खाते खोले गए हैं, जिनमें कुल जमा राशि 2.68 लाख करोड़ रुपये है. उन्होंने यह भी कहा कि रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने 18 साल में पहली बार भारत की दीर्घकालिक साख में सुधार किया है, जो देश की आर्थिक मजबूती का प्रमाण है.

2030 तक एनर्जी मिक्स में 15% गैस लक्ष्य

यह कदम कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए उठाया जा रहा

हरदीप पुरी बोले- कार्बन उत्सर्जन घटेगा

वर्तमान हिस्सेदारी करीब 6% से बढ़ेगी

नई दिल्ली, 2 सितंबर.केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि भारत का लक्ष्य 2030 तक अपने एनर्जी मिक्स में गैस की हिस्सेदारी को वर्तमान के लगभग 6% से बढ़ाकर 15% करना है. उन्होंने कहा कि यह कदम कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए उठाया जा रहा है.

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, पुरी ने बताया कि वर्तमान में भारत में 13 एलएनजी वितरण स्टेशन चल रहे हैं, और दिसंबर तक 49 और स्टेशन शुरू किए जाएंगे. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, एलएनजी भारत के लिए हरित और सुरक्षित भविष्य का एक महत्वपूर्ण सेतु है.

पुरी ने जानकारी दी कि भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा गैस आयातक है, जिसके पास 52.7 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) की संयुक्त क्षमता वाले आठ एलएनजी टर्मिनल हैं. उन्होंने कहा कि 2030 तक यह संख्या बढ़कर 10 हो जाएगी और इनकी क्षमता 66.7 एमएमटीपीए तक पहुँच जाएगी.

मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने पर भी चर्चा

एक अन्य कार्यक्रम में, गोवा में चैलेंजेस ऑफ द इंडियन ऑयल एंड गैस सेक्टर विषय पर आयोजित विचार-मंथन सत्र में, पुरी ने अधिकारियों के साथ भूकंपीय डेटा अधिग्रहण, ड्रिलिंग दक्षता और मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने पर भी चर्चा की . उन्होंने भारतीय शिपयार्डों की क्षमता बढ़ाने पर भी बात की ताकि एलएनजी, एलपीजी और कच्चे तेल के वाहकों का निर्माण किया जा सके .

भारत में पहली बार तौमाई रोबोटिक सर्जरी सिस्टम

- कोकिलाबेन अस्पताल ने स्वास्थ्य सेवा में रचा इतिहास
- मरीजों को तेज रिकवरी और कम रक्त हानि
- 3डी एचडी विजुअलाइजेशन व मल्टी-आर्म तकनीक

मुंबई, 2 सितंबर.मुंबई स्थित कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल ने स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक नई क्रांति लाते हुए तौमाई रोबोटिक सर्जरी सिस्टम की शुरुआत की है. यह उन्नत तकनीक भारत में पहली बार स्थापित की गई है, जो अस्पताल के रोबोटिक सर्जरी कार्यक्रम को मजबूत करने के साथ-साथ मरीजों की देखभाल को और बेहतर बनाएगी.

इस कदम से भारत रोबोटिक्स और सटीक स्वास्थ्य सेवा में वैश्विक स्तर पर मजबूत स्थिति हासिल कर रहा है.

अस्पताल की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि तौमाई एंडोस्कोपिक मल्टी-पोर्ट सर्जिकल सिस्टम दुनिया भर में अपनी सुरक्षा, लचीलेपन और सटीकता के लिए जाना जाता है. इसमें 3डी एचडी विजुअलाइजेशन, ट्रेमर-फिल्टर वाले कलाई उपकरण और अनुकूलनीय मल्टी-आर्म तकनीक जैसी विशेषताएं शामिल हैं, जो न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी को एक नए स्तर पर ले जाती हैं.

मरीजों को समग्र स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जा रही

तौमाई सिस्टम टेलीसर्जरी को आसान बनाता है, जिससे 5,000 किलोमीटर तक की दूरी पर लगभग शून्य विलंब के साथ रीयल-टाइम रिमोट ऑपरेशन संभव होता है . इससे अस्पताल वैश्विक स्तर पर रिमोट सर्जिकल सहयोग में अग्रणी बन गया है . अस्पताल के कैंसर देखभाल, अंग प्रत्यारोपण और मल्टी-स्पेशलिटी कार्यक्रमों में इस तकनीक को एकीकृत कर मरीजों को समग्र स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जा रही है .अस्पताल की अध्यक्षा टीना अनिल अंबानी ने कहा,कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल देश में अत्याधुनिक तकनीक लाने के लिए लगातार प्रयास करता है .

भारत व्यापार समझौते पर कर रहा बातचीत

शुल्क विवाद से अगला दौर स्थगित हुआ

अब तक पांच दौर की वार्ता हुई पूरी

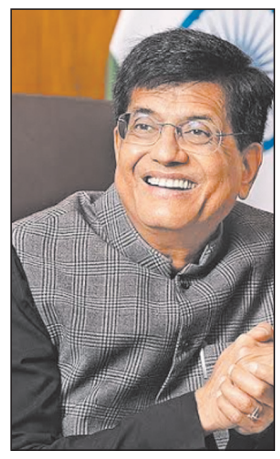

नई दिल्ली, 2 सितंबर. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत, अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत कर रहा है.

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच पांच दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है, हालांकि 27 अगस्त से लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क के कारण अमेरिकी दल ने अगले दौर के लिए अपना दौरा स्थगित कर दिया है. अभी तक छठे दौर की वार्ता की कोई तारीख तय नहीं की गई है.

यहां एक उद्योग निकाय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में गोयल ने कहा कि भारत पहले ही ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात, मॉरीशस, ब्रिटेन और यूरोपीय देशों के समूह ईएफटीए के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर कर चुका है.

उन्होंने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर भी अपडेट देते हुए कहा कि बातचीत अग्रिम चरण में है और इसमें %सक्रिय एवं महत्वपूर्ण प्रगति% हो रही है. वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल इसी संबंध में यूरोपीय संघ के अधिकारियों के साथ बातचीत के लिए ब्रसेल्स में हैं. इस बीच, भारत और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव के बावजूद, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने विश्वास व्यक्त किया कि अंत में दोनों देश इस समस्या का समाधान निकाल लेंगे.

सोना, चांदी ने बनाया नया रिकॉर्ड

नयी दिल्ली,02 सितंबर. अमेरिकी शुल्क और डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट के कारण सुरक्षित निवेश के लिए लोगों की बढ़ती मांग के बीच मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत लगातार सातवें कारोबारी सत्र में मजबूत रही और 400 रुपये बढ़कर 1,06,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गई.सोमवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,05,670 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी. अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमत भी 100 रुपये बढ़कर 1,26,100 रुपये प्रति किलोग्राम के एक नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई. मंगलवार को 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत भी 400 रुपये बढ़कर 1,05,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गई.

चावल और गेहूं के भावों में वृद्धि

दालों-खाद्य तेलों में घट-बढ़, चीनी के भाव चढ़े

नयी दिल्ली, 02 सितंबर (वार्ता) घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चावल की कीमत में उछाल देखा गया. गेहूं के दाम भी बढ़ गये. दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव रहा जबकि चीनी मजबूत हुई.

विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का नवंबर वायदा 94 रिंगिट चढ़कर 4,474 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया. अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.56 प्रतिशत चढ़कर 52.43 डॉलर के भाव बोला गया.

घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत करीब आठ रुपये बढ़कर 3,856.64 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी. गेहूं भी सात रुपये की मजबूती के साथ 2,856.81 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका. आटा भी 18 रुपये मजबूत हुआ और 3,318.67 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया.

सरसों तेल औसतन तीन रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ. मूंगफली तेल में 37 रुपये प्रति क्विंटल की नरमी रही. सोया तेल के भाव कमोबेश स्थिर रहे. सूरजमुखी तेल 52 रुपये और वनस्पति 27 रुपये महंगा हुआ. पाम ऑयल भी 16 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया.

दाल-दलहनों में तुअर दाल की औसत कीमत करीब 64 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी जबकि अन्य दालों में तेजी रही. चना दाल 11 रुपये और मूंग दाल 23 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई. मसूर दाल की कीमत में 19 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़त दर्ज की गयी. उड़द दाल के दाम लगभग स्थिर रहे.

बिकवाली से सेंसेक्स गिरा

मझौली और छोटी कंपनियों में तेजी जारी

मुंबई, 02 सितंबर (वार्ता) बैंकिंग और फार्मा कंपनियों में बिकवाली के दबाव में मंगलवार को प्रमुख सूचकांकों में गिरावट रही, हालांकि मझौली और छोटी कंपनियों के सूचकांक हरे निशान में बंद हुये.

सुबह बढ़त से साथ खुलने और 400 अंक से अधिक चढ़ने के बावजूद दोपहर बाद दिग्गज कंपनियों में बिकवाली से सेंसेक्स 206.61 अंक (0.26 प्रतिशत) लुढ़ककर 80,157.88 अंक पर बंद हुआ. यह 155.60 अंक की बढ़त में 80,520.09 अंक पर खुला था. यह ऊपर 80,761.14 अंक तक और नीचे 80,008.50 अंक तक गया.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 45.45 अंक यानी 0.18 प्रतिशत टूटकर 24,579.60 अंक पर बंद हुआ. यह भी 27.95 अंक की तेजी के साथ 24,653 अंक पर खुला था. इसका उच्चतम स्तर 24,758.10 अंक और निचला स्तर 24,522.35 अंक रहा.

सेंसेक्स की 30 में से 15 कंपनियों में गिरावट रही. महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर सबसे अधिक 2.45 प्रतिशत, एशियन पेंट्स का 1.33, कोटक महिंद्रा बैंक का 1.28 और आईसीआईसीआई बैंक का 1.15 प्रतिशत लुढ़क गया.

देश में कोयला उत्पादन 11.88% बढ़ा

नयी दिल्ली,02 सितंबर.चालू वित्त वर्ष के पहले पांच माह के दौरान देश भर में कैप्टिव (खुद के इस्तेमाल वाली) और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन सालाना आधार पर 11.88 प्रतिशत बढ़कर 739.2 लाख टन हो गया.पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन 660.7 लाख टन था.इस्पात या बिजली क्षेत्र की कंपनियां अपने उपयोग के लिए कैप्टिव खदानें रखती हैं. दूसरी ओर वाणिज्यिक खदानें अपना उत्पादन का खुले बाजार में बेचती हैं.

पावरग्रिड को स्कोप एमिनेंस पुरस्कार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विज्ञान भवन में सम्मानित किया

नई दिल्ली, 02 सितम्बर.भारत की महारत्न कंपनी, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) को मानव संसाधन प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित स्कॉच एमीनेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया है. 29 अगस्त 2025 को विज्ञान भवन में आयोजित एक समारोह में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यह पुरस्कार प्रदान किया.

पावरग्रिड की ओर से यह सम्मान कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक रविंद्र कुमार त्यागी तथा निदेशक (कार्मिक) यतींद्र द्विवेदी ने संयुक्त रूप से ग्रहण किया. इस अवसर पर वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और वित्त मंत्रालय के सचिव के. मोसेस चलाई सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

समाचार विशेष

मीणा-बेनीवाल में गहरा हुआ था याराना

तीसरा मोर्चा बनाने वाले थे, अब हुए आमने-सामने

जयपुर. राजस्थान की राजनीति में कभी करीबी माने जाने वाले किरोड़ीलाल मीणा और हनुमान बेनीवाल अब एक-दूसरे के आमने-सामने हैं. एसआई भर्ती परीक्षा रद्द होने के फैसले ने इन दोनों नेताओं के रिश्तों में दरार डाल दी है. दोनों ही नेता इस फैसले का क्रेडिट लेने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे उनके बीच कड़वाहट बढ़ गई है. कभी एक-दूसरे के समर्थन में बयान देने वाले दोनों अब खुलकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं.

किरोड़ीलाल मीणा का राजनीतिक सफर हमेशा से उतार-चढ़ाव से भरा रहा है. साल 2008 में गुर्जर आंदोलन के दौरान बीजेपी से नाराज होकर उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी. इसके बाद 2009 में दौसा से निर्दलीय चुनाव लड़ा और सांसद बने. इसके बाद उन्होंने पीए संगमा की पार्टी, नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) को राजस्थान में स्थापित किया और 2013 के विधानसभा चुनाव में चार सीटें जीतकर अपनी ताकत दिखाई.

उस समय लालसोट से किरोड़ीलाल, महुआ से उनकी पत्नी गोलमा देवी, सिकराय से गीता वर्मा और आमेर से नवीन पिलानिया विधायक बने थे. करीब पचास सीटों पर उनके उम्मीदवार दूसरे या तीसरे स्थान पर रहे थे, जिससे उनकी पकड़ मजबूत हो गई थी. साल 2018 के विधानसभा चुनाव से पहले किरोड़ीलाल मीणा और हनुमान बेनीवाल की नजदीकियां बढ़ीं. दोनों ने मिलकर तीसरा मोर्चा खड़ा करने की योजना बनाई और बड़े स्तर पर सभाएं कीं. थानागाजी गैंगरेप मामले में भी दोनों नेता एक साथ मंच पर आए. दौसा में आयोजित

सभा में दोनों ने मिलकर सरकार पर निशाना साधा. उस समय बेनीवाल ने पूर्वी राजस्थान में प्रचार की जिम्मेदारी संभाली, जबकि किरोड़ीलाल पश्चिमी राजस्थान में सक्रिय रहे. इसी दौरान बेनीवाल ने अपनी पार्टी, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) का गठन किया और किरोड़ीलाल उनके साथ खड़े नजर आए.

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह टकराव भविष्य की राजनीति पर बड़ा असर डाल सकता है. कभी तीसरे मोर्चे की तैयारी करने वाले ये दोनों नेता अब विरोधी खेमों में खड़े हैं. आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह विवाद कितना गहराता है और आने वाले चुनावों में इसका क्या असर देखने को मिलता है.

बयानबाजी और राजनीतिक टकराव

लेकिन राजनीति में समय के साथ समीकरण बदलते गए. चुनाव से ठीक पहले किरोड़ीलाल मीणा ने बीजेपी में वापसी कर ली, जबकि हनुमान बेनीवाल ने अपनी पार्टी को मजबूत करने पर ध्यान दिया. इसके बावजूद दोनों के बीच दोस्ती का रिश्ता लंबे समय तक कायम रहा, लेकिन मंच साझा करने की घटनाएं धीरे-धीरे कम हो गईं.अब एसआई भर्ती परीक्षा रद्द होने के बाद दोनों नेताओं के बीच खुली जंग देखने को मिल रही है. किरोड़ीलाल मीणा खुद को इस फैसले का असली श्रेय दे रहे हैं, जबकि हनुमान बेनीवाल का कहना है कि यह उनकी मेहनत का नतीजा है. दोनों के बीच शुरू हुई यह बयानबाजी अब एक राजनीतिक टकराव का रूप ले चुकी है.

राज्यसभा सीटें कब तक खाली रहेंगी?

जम्मू. यह लाख टके का सवाल है कि जम्मू कश्मीर में राज्यसभा की जो चार सीटें हैं वो कब तक खाली रहेंगी? इस पर चर्चा नहीं हो रही है. चार सीटों का कार्यकाल एक साथ रहेगा या हर दो साल में एक तिहाई सदस्यों के रिटायर होने के नियम के साथ उसे जोड़ा जाएगा इस पर बहस हो रही है.

यह मामला अदालत में पहुंचा है. लेकिन कानून मंत्रालय इस मामले में चुनाव आयोग की बात से सहमत नहीं है. चुनाव आयोग चाहता है कि राज्य में राज्यसभा सीटों के हर दो साल पर एक तिहाई सीट खाली होने का नियम होना चाहिए. माना जा रहा है कि चुनाव आयोग इस मामले में राष्ट्रपति के रेफरेंस के जरिए सुप्रीम कोर्ट से फैसला कराना चाहता है.

गौरतलब है कि नौ सितंबर को उप राष्ट्रपति का चुनाव होने वाला है, जिसमें जम्मू कश्मीर की आधी ही हिस्सेदारी होगी. उसके पांच लोकसभा सांसद तो वोट करेंगे लेकिन चूंकि राज्यसभा में कोई सदस्य नहीं है तो उनको मौका नहीं मिलेगा. 2022 के राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति चुनाव में भी यही स्थिति थी. असल में फरवरी 2022 से राज्यसभा की सीटें खाली हैं. पंजाब और दिल्ली में स्थिति अलग है. वहां सभी सीटों के चुनाव की अधिसूचना अलग अलग जारी होती है.

शिक्षक-स्नातक एमएलसी चुनाव पर मंथन

चुनाव के लिए भाजपा ने बनाई खास रणनीति

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में शिक्षक-स्नातक विधान परिषद सदस्य और त्रिस्तरीय पंचायच चुनाव की तैयारी तेज हो गई है. इस चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने खास रणनीति बना ली है. पार्टी ने कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारियां सौंप दी है.

शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, प्रदेश संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय में मीटिंग की गई. प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि बीजेपी का चुनावी प्रबंधन देश में मौजूद किसी भी पार्टी की तुलना में सबसे मजबूत है.

बीजेपी सभी सीटों पर अपनी जीत सुरक्षित करने की तैयारी कर रही है. प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि इस चुनाव में हर कार्यकर्ता को उसकी योग्यता के हिसाब से जिम्मेदारी दी जाएगी. शिक्षक और स्नातक विधान परिषद का चुनाव प्रबंधन और संपर्क का चुनाव है, इसलिए हर कार्यकर्ता को पूरी ताकत से इन चुनावों में जीत दर्ज करने के लिए जुटना होगा.

> **जीत के लिए सबसे बड़ा मंत्र**
>
> प्रदेश संगठन मंत्री महामंत्री धर्मपाल सिंह के मुताबिक, इस चुनाव में जीत के लिए सबसे बड़ा मंत्र वोट बनवाना है . ऐसे में सभी कार्यकर्ताओं को प्रदेश के स्कूलों, महाविद्यालयों और घर-घर जाकर मतदाता जोड़ने का काम करना होगा . संगठन की सक्रियता ही पार्टी की जीत का आधार है . विधानसभा स्तर तक संयोजक और सहसंयोजक की नियुक्ति हो गई है .

विशेष **एनडीए-महागठबंधन आमने-सामने, किसका पलड़ा भारी?**

सीमांचल में ओवैसी की पार्टी बनेगी गेमचेंजर!

पटना. बिहार चुनाव नजदीक आते ही सियासी हलचल तेज हो गई है. महागठबंधन के नेता राहुल गांधी और तेजस्वी यादव वोट अधिकार यात्रा निकाल रहे हैं, वहीं एनडीए के बड़े नेता लगातार रैलियां कर रहे हैं. इस समय सभी की नजरें सीमांचल इलाके पर टिकी हुई हैं.

बिहार के सीमांचल इलाके में अररिया, किशनगंज, कटिहार और पूर्णिया जिले आते हैं, जो अब राजनीति का अहम केंद्र बन चुका है. इस इलाके में मुस्लिम आबादी सबसे ज्यादा है. औसतन 47 प्रतिशत मुस्लिम जनसंख्या वाले इस क्षेत्र में वोटों का गणित चुनावी नतीजों को प्रभावित करता रहा है. किशनगंज जिले में तो मुस्लिम आबादी 70प्रतिशत तक है.

एआईएमआईएम को राजद ने दिया था झटका- जून 2022 में बड़ा सियासी बदलाव हुआ. बिहार में एआईएमआईएम के 5 में से 4 विधायक राजद में शामिल हो गए. अब एआईएमआईएम के पास सिर्फ एक विधायक, अख्तरुल इमान ही बचे हैं. इन विधायकों के राजद में जाने से लालू प्रसाद यादव की पार्टी फिर से बिहार विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी बन गई. उनकी संख्या बढ़कर 80 हो गई.

> **क्यों अहम है यह इलाका?**
>
> सीमांचल की राजनीति हमेशा धार्मिक और सामाजिक समीकरणों से प्रभावित रही है . मुस्लिम वोटों का बड़ा हिस्सा अब तक राजद-कांग्रेस के खाते में जाता रहा, लेकिन 2020 में एआईएमआईएम की एंट्री ने तस्वीर बदल दी . भाजपा और जेडीयू ने भी यहां अपनी पकड़ मजबूत की है .